Daily Gospel Reflections in Hindi

02 September 2019

लूकस 6: 43–45

Know the tree from its fruits

आत्मा के फल भी उन फलदायी वृक्ष के जैसे होता है। हमारी अंतरतम में जब ईश्वरीय प्रेम उगता है, तब पवित्र आत्मा के फल जीवन के अन्य गुणों के साथ बाहरी रूप में भी प्रकट होते है। (गला. 5:22–23)

आज दुनियां में एक सवाल मौजूद है। क्या वास्तव में लोग अच्छे या बुरे हैं ? ज्यादातर लोगों का मानना है कि हम सभी अच्छे बने हैं। लेकिन वातावरण और हालात कभी बुरा होता है। पवित्र वचन हमें एक अलग अंदाज दर्शाता है। (यिरमियाह 17:9) की हम सबका एक मिलावटी आत्मा है, यानी दूसरों के प्रति हमारा व्यवहार, सोचविचार अपने आंतरिक घमंड, ये सब उस मिलावटी आत्मा का उदाहरण है।

जब हम येसु को स्वीकारते हैं, वह एक पहचान है। हम सभी ख्रीस्तीयों की यही पहचान है, कि हमारे अंदर ईश्वरीय प्रेम है। ईश्वर वहां संभव है, जहां मन परिवर्तन है। उस पापी की तरह मन परिवर्तन कर प्रार्थना एवं प्रयास करें। आपके जीवन बहुत सारा ईश्वरीय गुणों का एक अच्छा वृक्ष बनें।

Rev. Fr. Santo Pullan

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019